



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 84]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 27, 2009/फाल्गुन 8, 1930

No. 84]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 27, 2009/PHALGUNA 8, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2009

(मध्यावधि समीक्षा)

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लूरोएथिलीन (पीटीएफई) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में मध्यावधि जांच की शुरुआत ।

सं. 15/33/2008-डीजीएडी.—यतः 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 एवं सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन, संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक 25 जुलाई, 2005 की अधिसूचना सं. 14/25/2003-डीजीएडी द्वारा अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे, जिनमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लूरोएथिलीन (पीटीएफई) (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी ।

और यतः संबद्ध वस्तु पर दिनांक 17 अक्टूबर, 2005 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 91/2005-सीमाशुल्क द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

2. विचाराधीन उत्पाद

मूल जांच शामिल तथा वर्तमान समीक्षा आवेदन में भी शामिल विचाराधीन उत्पाद चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लूरोएथिलीन "(पीटीएफई)" (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) है। सम्बद्ध वस्तु सीमाशुल्क अधिनियम के अंतर्गत उपशीर्ष सं. 390461 तथा उपशीर्ष सं. 39046100 के तहत वर्गीकृत है । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और प्रस्तावित जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है ।

पीटीएफई का उत्पादन विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है जैसे मोल्लिंग ग्रेड, फाइन पाऊडर, एक्वस डिस्पर्सन, कम्पाऊण्ड ग्रेड तथा फिल्ड ग्रेड । सभी ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में रखा गया है । पीटीएफई को उसकी अनोखी विशेषताओं के कारण मुख्यतः विद्युतीय, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक तथा रासायनिक उद्योगों में प्रयुक्त किया जाता है । ये विशेषताएँ हैं रासायनिक अक्रियता, विद्युतीय तथा ताप विद्युत अवरोध, कम घर्षण गुणांक, गैर-विषाक्त, अज्वलनशील, विकिरण प्रतिरोधी, कम स्थैतिक एवं गतिशील घर्षण तथा व्यापक फ्रीक्वेंसी रेंज में उत्कृष्ट विद्युतीय गुणधर्म ।

विद्युत अवरोध, कम घर्षण गुणांक, गैर-विषाक्त, अज्वलनशील, विकिरण प्रतिरोधी, कम स्थैतिक एवं गतिशील घर्षण तथा व्यापक फ्रीक्वेन्सी रेंज में उत्कृष्ट विद्युतीय गुणधर्म ।

3. जांच शुरुआत

सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 एवं उसके तहत बनाए गए पाटनरोधी नियम में प्राधिकारी से पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करने की अपेक्षा की जाती है । निर्दिष्ट प्राधिकारी का विचार है कि पाटनरोधी नियम के नियम 23 तथा यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9(5) के प्रावधान के अंतर्गत संस्तुत पाटनरोधी शुल्क की इस अवस्था में मध्यावधि समीक्षा करना उचित होगा । उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार मैसर्स गुजरातफ्लोरो केमिकल्स लि० नोएडा, उत्तर प्रदेश ने चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की आवश्यकता का प्रमाण देते हुए घरेलू उद्योग की ओर से एक आवेदन प्रस्तुत किया है ।

4. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन. जन. गण. है ।

5. समीक्षा हेतु आधार

आवेदक ने दावा किया है कि परिस्थितियों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं जिनके कारण लागू पाटनरोधी उपायों की समीक्षा करना अपेक्षित हो गया है ।

वर्तमान में चीन से किए जा रहे निर्यातों की पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन मूल जांच के समय निर्धारित पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन की तुलना में अत्यधिक है । इसके अलावा इस उपाय के वर्तमान रूप से भारतीय उत्पादकों को पर्याप्त राहत नहीं मिल रही है । अतः उपाय के वर्तमान रूप को शुल्क के परिवर्ती रूप से शुल्क के निर्धारित रूप में संशोधित किया जाना अपेक्षित है । आवेदक ने दावा किया है कि पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि की जानी अपेक्षित है । इस संबंध में अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए आवेदक ने सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की है ।

6. प्रक्रिया

लागू उपाय की समीक्षा की आवश्यकता बताते हुए परिवर्तित परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी का अब यह विचार है कि उपर्युक्त नियमावली के नियम 23 के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9(क) के प्रावधान के अनुसार परिवर्तित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए दिनांक 25 जुलाई, 2005 की

अधिसूचना सं. 14/25/2003-डीजीएडी द्वारा जारी अंतिम जांच परिणाम तथा दिनांक 17 अक्टूबर, 2005 की सीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा करना उचित है। इस समीक्षा में दिनांक 25.07.2005 की अधिसूचना सं. 14/25/2003-डीजीएडी के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

7. जांच अवधि

वर्तमान मध्यावधि समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पीओआई) 1 अक्टूबर, 2007 से 30 सितम्बर, 2008 (12 माह) है। तथापि क्षति विश्लेषण में वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 तथा जांच अवधि को शामिल किया जाएगा।

8. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातक तथा भारत में स्थित दूतावासों के जरिए उनकी सरकारों/प्रतिनिधियों, भारत में ज्ञात संबद्ध आयातकों एवं प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित पद्धति एवं ढंग से सभी संगत सूचना निर्धारित समय-सीमा के भीतर निम्नलिखित को प्रस्तुत करने हेतु अलग से लिखा जा रहा है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय,

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग,

कमरा सं0 240, उद्योग भवन,

नई दिल्ली - 110107

अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार की जांच से संगत अपना निवेदन निर्धारित पद्धति एवं ढंग से नीचे उल्लिखित समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

12. समय सीमा

वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना तथा सुनवाई संबंधी अनुरोध लिखित में भेजा जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर पहुंच जाना चाहिए। यदि निर्धारित अवधि में कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को उचित सिफारिशें कर सकते हैं।

10. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को वह सिफारिशें कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 27th February, 2009

(Mid-term Review)

Subject : Initiation of Mid-term Review regarding anti-dumping duty imposed on imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR.

No. 15/33/2008-DGAD.— Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as AD Rules), vide Notification Number 14/25/2003-DGAD dated 25th July, 2005, the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) notified its final findings recommending definitive anti dumping duty on import of Polytetrafluoroethylene (PTFE) (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

And Whereas definitive anti dumping duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No.91/2005-Customs dated 17th October, 2005.

2. Product Under Consideration

The product under consideration involved in the original investigation and also in the present review application is "Polytetrafluoroethylene" (PTFE) originating in or exported from China PR (also referred to as subject goods hereinafter). The subject goods are classified under subheading no 390461 under Customs tariff Act and at subheading no. 39046100. Customs classifications is indicative only and, in no way, binding on the scope of the proposed investigations.

PTFE is produced in various grades like moulding grade, fine powder, aqueous dispersions compound grades and filled grades. All grades are within the scope of the product under consideration. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for their unique characteristics which are chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non-toxic, non-flammable, resistance to radiation, low thermal conductivity.

dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.

3. Initiation

The Customs Tariff (Amendment) Act 1995 and the AD Rules made there under require the Authority to review from time to time the need for continuance of anti dumping duty. The Designated Authority considers that the mid-term review of the anti dumping duty recommended would be appropriate at this stage under the provision of Rule 23 of AD Rules and Section 9A (5) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 as amended. In terms of the above provision, M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd, Noida, U.P. on behalf of DI filed an application substantiating the need for mid-term review of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from subject country.

4. Countries involved

The country involved in the present investigations is China PR.

5. Grounds for Review

The applicant has claimed that the circumstance have changed substantially requiring a review of anti dumping measures in force.

The dumping margin and injury margin in respect of the exports that are being made at present from China are substantially higher than the dumping margin and injury margin determined at the time of original investigation. Further, the present form of measure is not providing adequate relief to the Indian Producers. Therefore, the form of measure is required to be modified from variable form to fixed form of duty. The applicant claims that the anti dumping duty is required to be enhanced to account for the increase in the dumping margin and injury margin. The applicant have submitted positive information substantiating their claims in this regard.

6. Procedure

Having regard to the information provided by the applicant indicating changed circumstances necessitating a review of the measure in force, the Designated authority now considers that a mid-term review of the final findings notified vide No. 14/25/2003-DGAD dated 25th July, 2005 and the Definitive anti dumping duty imposed by Customs Notification dated 17th October, 2005 is appropriate in view of the changed circumstances, in terms of the provision of Section 9(A) of Customs Tariff (Amendment) Act 1995 read with Rule 23 supra. The review covers all aspects of Notification No. 14/25/2003-DGAD dated 25.07.2005.

7. Period of Investigation

The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present mid-term review is 1st October 2007 to 30th September 2008 (12 months). However, injury analysis shall cover the years 2005-06, 2006-07, 2007-08 & POI.

8. Submission of Information

The exporters in subject country, their government through their Embassy in India/representatives, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce
Room No.240,
Udyog Bhavan,
New Delhi-110107.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below:

9. Time Limit

Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 days) from the date of letter of this review notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the AD Rules.

10. Inspection of Public File

In terms of Rules 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority